Live in the Spirit

सीड़ फॉर लिविंग

ब्रदर मैन्युएल मिनिस्ट्रिज मासिक प्रकाशन फरवरी २०१४

क्या परमेश्वर पर प्रतीक्षा कर रहे हो?

अब तुम्हारी बारी है

परमेश्वरने हर शादी के लिए यही चाहा, कि वह एक आध्यात्मिक प्रयास हो और ना कि किसी के आर्थिक स्थिति का बढ़ावा या बच्चे पैदा करना हो। शादी के लिए परमेश्वर का जो मकसद है, उसे पूरा करने योग्य बनने के लिए, लोगों को प्रेरित करना चाहिए, खासकर वे जो शादी के लिए रुके हैं, ताकि वे मसीह जैसा चरित्र विकसित करें,।

अगर आप सचमुच परमेश्वर पर भरोसा करते हो, तो आपको परमेश्वर पर प्रतिक्षा करने में कोई ऐतराज नहीं होगा, खासकर इस बात को ध्यान में रखते हुए, कि उनके दिल में आपके लिए सर्वोत्तम भलाई है। और कुछ लोगों को इस बात का अहसास नहीं होता, कि जो वो मांग रहे है, वो तो पहले से ही उनके पास है। परमेश्वरने आपको सही जगह, सही घर, सही परिवार में स्थापित किया है। यदि तुम शादीशुदा हो, तो विश्वास करो कि उन्होंने आपको एक सही जीवनसाथी के साथ आशिर्वादित किया है–सब कुछ वैसा ही है, जैसे होना चाहिए।

आज जो हम है, वह उन अनुभवों की वजह से ही है, जो हमारे जीवन में हुए है। और एक हद तक देखा जाए तो वो शुरुवाती अनुभव हमारे माता पिता के फौसलों के नतीजे थे।

माता पिता अपने बच्चों के जीवन के हर एक पहलुओं पर गहरा असर करते है, यहाँ तक की शादी के विषय में भी। यही कारण है, कि एक खुशहाल शादी से उत्पन्न बच्चें भी हमेशा खुशहाल शादीशुदा जीवन व्यतित करते है। लेकिन हमारे माता पिता हमे शादी के लिए तैयार करनेवाले एक मात्र साधन नहीं है। पवित्र शास्त्र में इस विषय पर बोलने लायक बहुत कुछ है। वास्तव में, सभी शादियाँ, हर एक विपत्ति से बच सकती है, अगर सभी विवाहित जोड़े उन नियमों का पालन करें, जो पवित्र शास्त्र में उल्लेखित है। अगर आपने अब तक यह नहीं किया है, या फिर आप जानते ही नहीं कि ये नियम क्या है, तो मेरी किताब 'द प्रिंसिपल ऑफ मेरिज' (शादी के नियम) जरुर लें।

अगर तुम शादीशुदा हो और किसी समस्या का सामना कर रहे हो, तो घुटनों पर जाओ और प्रार्थना करो। जो कोई पछतावे भरे दिल से परमेश्वर के पास जाता है, वह उन से कभी अपना मुह नहीं मोडते। ये पवित्र आत्मा के दिन है। अगह आप परमेश्वर को खोजते हो, तो वे आपके दिल की शांतता में आपसे बात करेंगे और आपको बतायेंगे कि आपको क्या करना है। हम शायद नहीं जानते कि भविष्य में हमारे लिए क्या है, लेकिन हमारे दिल में हम इस बात को समझले, कि जो हमारा भविष्य तय करता है, वो ही हमारे हातों को भी पकड़ता है।

–ब्रदर मैन्युएल मेरगुल्याओं

यह शिक्षण ब्रदर मैन्युएल की किताब "द प्रिंसिपल ऑफ मेरिज" से लिया गया है। इस विषय पर पवित्रशास्त्र को बहुत कुछ कहना है। वास्तव में, सभी शादियाँ हर एक विपत्ति से बच सकती है, अगर सभी विवाहित जोड़े उन नियमों का पालन करें जो पवित्र शास्त्र में उल्लेखित है। अगर आपने अब तक यह नहीं किया है, या फिर, अगर आप जानते ही नहीं कि ये नियम क्या है, तो यह किताब आपका मार्गदर्शक बनेगी।

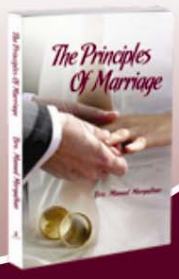

आज ही अपनी कॉपी बुक करें!

The Principles
Of Marriage

चुनाव

शायद आपने यह सुना होगा कि, "किस्मत निर्णय से जुड़ी होती है।" आमतौर पर, किस्मत अनिर्णय द्वारा भी निर्धारित होती है। उदाहरण के तौर पर, न्यूयॉर्क जाने के लिए आपकी हवाई जहाज की टिकट है और आपने अब तक निर्णय नहीं किया है, कि आप जाना चाहते हो या नहीं, अंत में, निर्धारित समय पर हवाई जहाज उड़ान भरेगा और आपका निर्णय किया जा चुका होगा कि आप नहीं जा रहें। समय आपके लिए तय करेगा। और समय हमेशा आपके खिलाफ तय करेगा।

इसीलिए पवित्र शास्त्र आपको चेतावनी देता हैः तुम गरम या ठंड़े बने रहो, लेकिन अगर तुम गुनगुना हो, तो मैं तुझे अपने मुँह में से उगल दूँगा (प्रकाशितवाक्य ३:१६)। वास्तव में, इसी रिती से यहोशूने भी इस्त्राएल के लोगों को चेतावनी दीः "और यदि यहोवा की सेवा करनी तुम्हें बुरी लगे, तो आज चुन लो कि तुम किसकी सेवा करोगे, चाहे उन देवताओं की जिनकी सेवा तुम्हारे पुरखा महानदा के उस पार करते थे, और चाहे एमोरियों के देवताओं की सेवा करो जिनके देश में तुम रहते हो; परंतु मैं तो अपने घराने समेत यहोवा ही की सेवा नित करुँगा।" (यहोशू २४:१५)

यहोशूने अपना निर्णय किया। वह जानता था, कि शैतान को पराजित करने का एकमात्र तरिका यह है, कि वह परमेश्वर से नाता जोड़े। इस जगत में सर्वशक्तिशाली सार्मथ्य को अपना सहयोगी बनाना, यह बुद्धिमानी है। आपको अपना तंबू चुनना है। और बीच की जमीन कोई विकल्प नहीं। आप बीच में रहकर यह उम्मीद नहीं कर सकते की शैतान आप पर हमला नहीं करेगा ... क्योंकि वह जरुर करेगा।

परमेश्वर उन सभी को बचाते है, जो उनके है। अगर आप परमेश्वर को चुनते हो, तो वे तुम पर अपनी निशानी लगाऐंगे - येशू के लहू की निशानी। यह निशानी मानवी आंखों के लिए अदृश्य है लेकिन सर्वदूत और दृष्ट आत्माएँ इसे स्पष्ट रुप से देख सकते है। शैतान अब आपको बहुत अंतर देगा क्योंकि एक चीज का सामना वह नहीं कर सकता, वह जिस चीज से डरता है, वह है येशू का लहू। यह उसे थका देता है - हर बार।

शैतान को हराने का केवल एक ही तरीका है, घुटनों पर जाओ, हातों को उठाओ और प्रार्थना करो। यह दोनों, समर्पण करने (परमेश्वर को) और हमला करने (क्षत्रु के खिलाफ) का ढ़ंग है। जब आप परमेश्वर को अधीन करते हो, तो वे आप के लिए लढ़ते हैं। और जब लढ़ाई परमेश्वर की है तो विजय निश्चित है।

तो आप किस तंबू से हो? आप किसकी सेवा करेंगे? अपना चुनाव आज करो। परमेश्वर को चुनो।

– संपादकीय डेस्क

A NEW YEAR RESOLUTION
Answer The Call

Many are called, but few are chosen,
Some just left out, while others are taken in, (Matt. 25:1 to 13)
Maybe for a testimony (Rev 12:11)
Or to serve God in harmony,
To complete the ceremony.
Blessed is he who comes in the name of the Lord
Though many religious think of false learning from abroad (theology)

Some are called to till the soil, (Gen 1:28)
Others maybe to crush the seed for oil.
Sowing the seed is not for God,
But to satisfy our needs, in the name of the Lord.
Called to do His will, though the work is not the same.
Yet working together in one accord.
Like the parts of the body, yet so many.
His will be so gracious in harmony. (1 Cor 12:12 to 20)

Benedict Vivian Fernandez

तुम्हारी जड़ कहाँ हैं।

चीजें होने के बारे में अनुमान लगाना, अतीत में हुई घटनाओं की तुलना वर्तमान से करना, दुनिया की घटनाओं और समय के संकेत द्वारा उत्पन्न होनेवाला डर, ये सारी बातें मानो जैसे विश्वासियों के लिए प्रत्येक साल की शुरुआत ही बन गई है! और कुछ ऐसे भी लोग है, जो इन बातों पर हसतें हैं।

२ पतरस ३:३-४ "पहले यह जान लो कि अंतिम दिनों में हँसी ठट्ठा करनेवाले आएँगे जो अपनी ही अभिलाषाओं के अनुसार चलेंगे और कहेंगे, "उसके आने की प्रतिज्ञा कहाँ गई? क्योंकि जब से बापदादे सो गए हैं, सब कुछ वैसा ही है, जैसा सृष्टि के आरंभ से था।"

यहूदा १:१८ "वे तुम से कहा करते थे, "अंतिम दिनों में ऐसे ठट्ठा करनेवाले होंगे जो अपनी अभक्ति की अभिलाषाओं के अनुसार चलेंगे।"

इस रीति से, 'ठट्ठा करनेवाले' स्वयं ही समय का संकेत बनते है!

दोस्तों, आप और मैं भी ऐसे ही समय के लिए पैदा हुए है, ताकि हम परमेश्वर के एक विशेष उद्देश्य को पूरा कर सके!! मैं "ब्रदर मैन्युएल मिनिस्ट्रिज" में स्थापित हूँ, ताकि मसीह के सुसमाचार का प्रकाश उन लोगों पर चमकाऊँ जिन की बुद्धि इस संसार के इश्वर ने अंधी कर दी है।

२ कुरिंथियों ४:४ "और उन अविश्वासियों के लिये, जिन की बुद्धि इस संसार के इश्वर ने अंधी कर दी है, ताकि मसीह जो परमेश्वर का प्रतिरुप है, उसके तेजोमय सुसमाचार का प्रकाश उन पर न चमके।"

परमेश्वर के राज्य को पाने के विषय पर येशूने (मत्ती ५ से ७) में लंबे समय तक शिक्षण दिया है। और इन धन्य वचन के अंत में येशू कहते है:

"इसलिये जो कोई मेरी ये बातें सुनकर उन्हें मानता है, वह उस बुद्धिमान मनुष्य के समान ठहरेगा जिसने अपना घर चट्टान पर बनाया। और मेंह (बारिश) बरसा, और बाढ़ें आई, और आधिंयाँ चलीं, और उस घर से टकराईं, फिर भी वह नहीं गिरा, क्योंकि उसकी नींव चट्टान पर डाली गई थी। परंतु जो कोई मेरी ये बातें सुनता है और उन पर नहीं चलता, वह उस निर्बुद्धि मनुष्य के समान ठहरेगा जिसने अपना घर बालू (रेत) पर बनाया। और मेंह बरसा, और बाढ़े आईं, और आंधियाँ चलीं, और उस घर से टकराईं और वह गिरकर सत्यानाश हो गया।" (मत्ती ७:२४-२७)

चट्टान (येशू) पर मजबूत जड़ पकड़ना मतलब इन वचनों (मत्ती ५ से ७) को पूरा करना, जो आपने सुने है!

येशूने और एक आदेश लूका २१:३६ में हमे दिया है, जो यह है:

"इसलिये जागते रहो और हर समय प्रार्थना करते रहो कि तुम इन सब आनेवाली घटनाओं से बचने और मनुष्य के पुत्र के सामने खड़े होने के योग्य बनो।"

"इन सारी चीजों" से बचा जा सकता है। "क्योंकि उस समय ऐसा भारी क्लेश होगा, जैसा जगत के आरंभ से न अब तक हुआ है और न कभी होगा।" (मत्ती २४:२१)

येशू के वचन स्व–स्पष्टीकरण है! क्या आप तैयार हो? और जैसे तुम प्रभू से, आनेवाले भारी क्लेश से बचने की प्रार्थना करते हो, वैसे ही प्रभू के आदेशों को समझो और उन्हें कर्तव्य में पूरा करते हुए अपने जड़ों को उनमें गहराई से समाने दो और हमेशा के लिए प्रभू येशू के साथ बादलों में रह जाओ।

– बहन लिनेट मेरगुल्याओं

पवित्र शास्त्र पढ़ो क्यों ?

एक दिन, एक युवकने ब्रदर मैन्युएल मिनिस्ट्रिज के एक एल्डर के पास आकर उनसे यह सवाल पूछाः

मुझे पवित्र शास्त्र क्यों पढ़ना चाहिए? जिस नजरिये से मैं देखता हूँ, पवित्र शास्त्र मुझे एक ऐतिहासिक घटनाओं और आँकड़ों का संग्रह लगता हैं, और आज जिन मौजूदा परिस्थितियों का सामना मैं अपने जीवन मे कर रहा हूँ, उनसे इसका कोई मेल नहीं। मुझे प्राचीन अध्याय और आज की सच्चाई के बीच कोई संबंध नजर नहीं आता। वास्तव में, जो मुझे चाहिए वह है, व्यवहारिक सलाह और इस नाते देखा जाए, तो मुझे नहीं लगता कि पवित्र शास्त्र किसी काम है।

सेवकाई के एल्डरने यह कहाः

मैं देख सकता हूँ, कि तुम्हें ऐसा क्यों महसूस हो रहा है। इन दिनों सबसे बड़ा हमला युवकों पर हो रहा है। फास्ट फूड के इस दौर कि लापरवाह मानसिकता से लड़ने के लिए हमे तैयार रहना चाहिए। और ऐसा करने में पवित्र शास्त्र हमारी मदद कर सकता है।

हम एक ऐसी दुनिया में जी रहे है, जहाँ हमारे चारों ओर मनुष्य के रंजीश की दुर्गंध फैली है। और इसी बीच एक ऐसा दौलतमंद समाज है, जो बड़े बड़े घरों में रहता है, और जिनके बैंक में बहुत सी जमा राशि है, इसके बावजूद, वे अपने आसपास दिखनेवाले दुःखों को घटाने का बहुत ही कम प्रयास करते है। याद रखो, एक मनुष्य माँस और लहू से अधिक है, हमारे अंदर आत्मा भी है, जो हम मे वास करता है। यह आत्मा परमेश्वर से आता है, परंतु जैसे समय गुजरता है, यह आत्मा इस दुनिया के तौर तरीकों से जुड़कर दूषित हो जाती है। लेकिन जब हम पवित्र शास्त्र पढ़ने लगते हैं, तो यह हमारे अंदर जीवन झरना उत्पन्न करता है।

'पवित्र शास्त्र' समय द्वारा परखी गयी किताब है और इसका मूल विषय है 'प्यार'। पवित्र शास्त्र का हर एक अध्याय यह "परमेश्वर की साँस" है और हजारों वर्ष पहले लिखे जाने पर भी, इसका प्रत्येक वचन आप में नयापन ला सकता है। जब आप पवित्र शास्त्र पढ़ना शुरु करते हो, तब आप परमेश्वर के विचारों को अपने अंदर अवशोषित करते हो। आप परमेश्वर के नजरिए से चीजें देखना शुरु करते हो। परमेश्वर के वचनों को पढ़ने और उन्हें दोहराने से सामर्थ्य प्राप्त होता है। परमेश्वर के वचनों की नयी समझ का जो लाभ आपको हुआ है, अब इसके जरिए पवित्र आत्मा आपके जीवन में कार्य करने लगेगा ताकि आपको नया इन्सान बनाये। क्या आप यह बात जानते है, कि व्यवस्था (मैनिज्मंट), स्व–सहायता, निवेश की रणनीति और नेतृत्व पर लिखी हुयी ये सारी किताबें पवित्र शास्त्र से ही व्युत्पन्न की गयी है? जब आप पूरे विश्वास से पवित्र शास्त्र पढ़ते हो, तब यह आपसे आपके मौजूदा परिस्थितियों और हालातों और उनसे कैसे निपटते है, इसके बारे बात करेगा। यह आपके अंदर की आत्मा को मुक्त करेगा ताकि आप उन चीजों को देख सको, जो आप शारीरिक आँखों से नहीं देख सकते। दूसरी कोई भी किताब आपके लिए यह नहीं कर सकती।

केवल पवित्र शास्त्र ही वह किताब है, जिसने सदियों से लोगों को नरक के गड्ढ़े से बचाया है। इसने उदास, दुर्व्यवहारीत, अपमानितों, भटकों और अकेलों को हमेशा बचाया है और बाचाते रहेगा। इसने चोरों और हत्यारों को संतों में परिवर्तित किया है, गरीबों और कर्ज में डूबे हुओं को समृद्ध बनाया हैं, एक व्यक्ति जिसमें खड़े रहने तक का भी आत्मविश्वास नहीं था, उसे ऐसे मुकाम पर पहुचाया जिसकी उसने कल्पना भी नहीं की हो।

पवित्र शास्त्र यह लोगों के पैरों के लिए दीपक बन गया है, एक ऐसा उजियाला जो उन्हें उनके जीवन के मकसद और बुलावे की ओर बढ़ाता है (भजन संहिता ११९:१०५)। अमेरिका के संस्थापक पिताने भी मानवीय स्वतंत्रता और आजादी के कानूनों को लिखने के लिए पवित्र शास्त्र पर ही भरोसा किया और ऐसा राष्ट्र स्थापित किया जो प्यारे परमेश्वर के हाथों के देखरेख में समृद्ध हुआ। मेरे दोस्त, पवित्र शास्त्र वो किताब हैं, जिसमे परमेश्वर के महान कामों का वर्णन लिखा गया हैं, जो इस २१ वी सदी के हर एक पुरुष और स्त्री के हाथों में है, ताकि वे एक विजयी जीवन जीये!

– संपादकीय डेस्क

K4C Corner

Got Jesus?

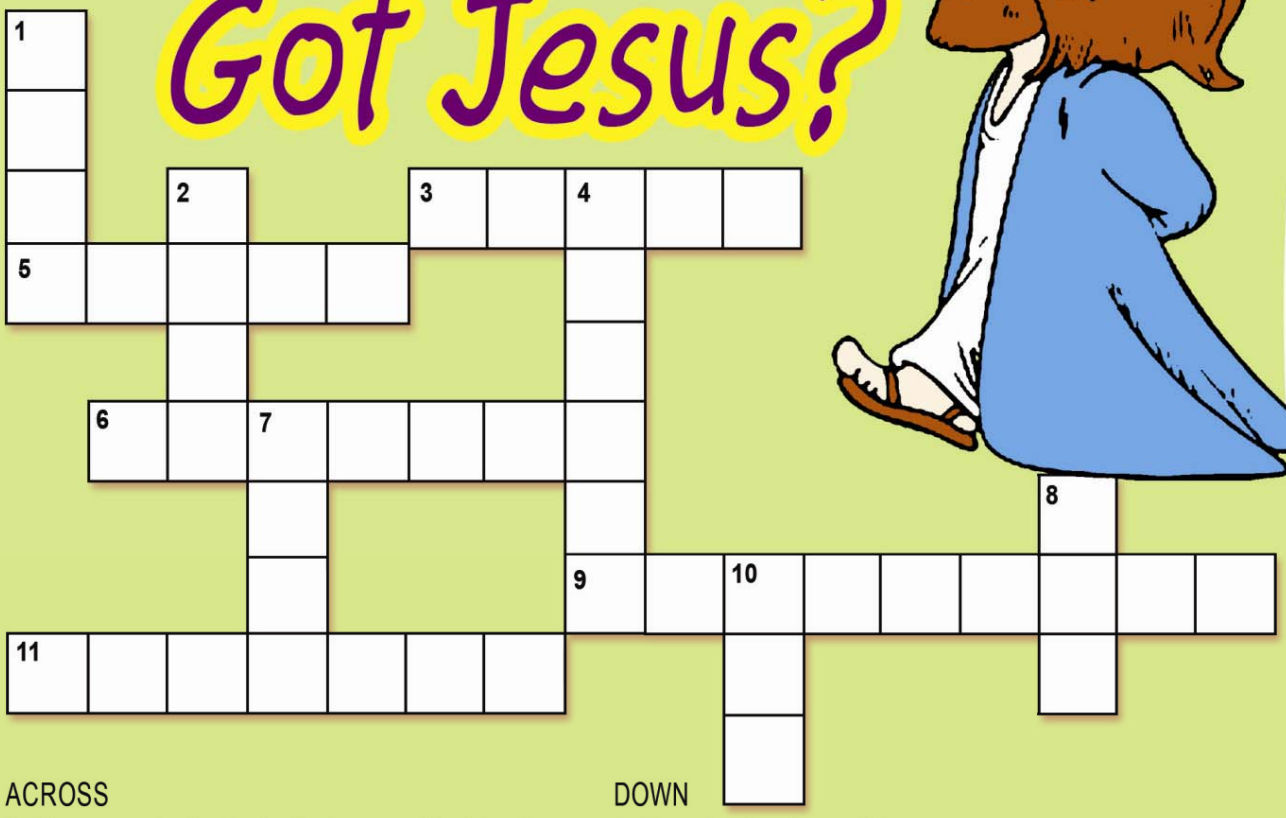

ACROSS
3. The organ in the body that pumps the blood
5. To make letters and words with a pen or pencil
6. To accept as true, genuine, or real
9. Evideence given by witness in the court
11. Something that continues forever

DOWN
1. To understand something
2. The period from birth to death
4. To receive something willingly, such as a gift
7. Someone who doesn't tell the truth
8. The creator and ruler of the universe
10. A male child

CHECK YOUR ANSWERS

accept, believe, eternal, write, testimony, heart, life, know, God, liar, son.

गवाहियाँ

ग वा हि याँ

मैं पिछले पाँच सालों से ब्रदर मैन्युएल की सेवकाई में आ रहीं हूँ। मै और मेरा पति एच आय वी पोजिटिव थे। मै गर्भधान रोकने के लिए गोलियाँ भी खाया करती थी, क्योंकि मैं एक एच आय वी पोजिटिव बच्चा इस दुनिया में नहीं लाना चाहती थी। जब मैने ब्रदर मैन्युएल को इस बारे में बताया, तो उन्होंने मुझे गर्भनिरोधक गोलियाँ खाना बंद करने की सलाह दी। तुरंत उसके बाद मैं गर्भवती हो गयी और एक सेहतमंद लडके को जन्म दिया – दो लड़कियों के बाद। और यह बच्चा बिना एच आय वी पोजिटिव के पैदा हुआ। और साथ ही मै और मेरे पति भी ठीक हो गए। अब हमारे रिर्पोट दिखाते है, कि हम दोनों एच आय वी नेगटिव है। यह केवल हमारे प्रभू येशू मसीह की वजह से है। ब्रदर मैन्युएल के जन्म दिन के दिन ही हमारे बेटे का जन्म हुआ और इसी कारण उन्होंने हमारे बेटे का नाम इमैन्युएल रखा। येशूने हमे बहुत आशिर्वादित किया है। कोई भी इतना कर नहीं सकता। और ऐसा कही और नहीं हो सकता। सारी दुनिया जानती है, कि एचआयवी का कोई इलाज नहीं, लेकिन वो येशू को नहीं जानते। मै सारी चीजों के लिए येशू मसीह का धन्यवाद करती हूँ। जब से हम ब्रदर मैन्युएल की सेवकाई में आने लगे है, तब से हमे जीवन में बहुत कुछ मिला है। मै बहुत से जगहों पर जाया करती थी और बहुत से देवताओं के सामने माथा टेका करती थी, मगर बदले में मुझे कुछ भी नहीं मिला। जो प्रभू येशूने हमे दिया है, उतना कोई भी दूसरा भगवान किसी को दे नहीं सकता। मै प्रार्थना करती हूँ, कि ब्रदर मैन्युएल की सेवकाई और परमेश्वर का वचन दुनिया के कोने कोने में प्रचार हो।

–उषा चवान

मै यह गवाही देना चाहता हूँ, कि मेरे पिताजी बहुत शराब पिया करते थे और अब उन्होंने शराब पिना पुरी तरह से बंद कर दिया है। यह बदलाव तब से हुआ है जब से मै और मेरा भाई ब्रदर मैन्युएल की सेवकाई द्वारा आयोजित ध्यानसभाओं और प्रार्थनासभाओं में आने लगे हैं। हमारे द्वारा परमेश्वरने हमारे पिताजी के जीवन में काम करना शुरु किया है। परमेश्वरने हमे भी हमारे बहतरी के लिए बदल दिया। मुझे स्कूल में बहुत ही कम अंक मिला करते थे, लेकिन प्रभू के पास आने के बाद अब मुझे बहुत ही अच्छे अंक मिलने लगे है। ब्रदर मैन्युएल को सुनने के बाद मैने बहुत सारी चीजें सीखीं है। हमे बहुतायत से आशिर्वादित करने के लिए मै परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ।

–दिनकर पुजारी

पिछले २५ सालों से बहुत से बाबाओं, तांत्रिकों और पूजाओं पर मैने लगभग १० लाख रुपये खर्च किये। लेकिन जिस चीज की तलाश में मै था वह मुझे कभी नहीं मिली। फिर ब्रदर मैन्युएल की सेवकाई के द्वारा मै प्रभू के पास आया। और केवल डेढ़ साल में ही, परमेश्वरने मुझे सबकुछ पुनःप्राप्त करवाया। और जब कभी मै परमेश्वर के राज्य में बीज बोता हूँ, तो मुझे उसका तिगुन प्रतिफल लाभ होता है। मै परमेश्वर पर पूरा भरोसा करता हूँ, और जानता हूँ, कि वो मुझे सारे बुराईयों से बचाएंगे।

–हरेश मुलचंदानी

मै २००७ से इस सेवकाई में आ रहा हूँ। शुरुवात में अपनी पत्नी की तबियत ठीक न होने की वजह से मैं ने सेवकाई में आना शुरु किया। और तब से वह बिल्कुल ठीक है। मै बहुत ही सख्त और गुस्सैल इन्सान हुआ करता था। मुझ में न माफ करनेवाली आत्मा थी और अगर कोई मेरे साथ बुरा करता तो सारा वक्त मै यही सोचते रहता कि कैसे में उस इन्सान को हानी पहुँचा सकता हूँ। परंतु इस सेवकाई में आने के बाद मुझ में बहुत से बदलाव हुए है। अब मै लोगों को आसानी से माफ कर सकता हूँ, क्योंकि अब मै इस बात को भलीभाँति जानता हूँ, कि अगर मै दूसरों को माफ नही करता तो परमेश्वर भी मुझे माफ नहीं करेंगे। और अब मै अपने जीवन के हर एक पहलू में आशिर्वादित हूँ। मै सारी उम्र सच्चाई की तलाश मे था और आखिर वह मुझे ब्रदर मैन्युल मिनिस्ट्रिज मे मिली। मैने वादा किया है, कि जब तक मैं जिंदा हूँ, मै येशू की सेवा करता रहूँगा।

–बाबाजी चिपलूंकर

मुंबई ध्यानसभा (रिट्रिट)
मार्च ८–९, २०१४

मँगलोर शुभसमाचार घोषणा
मार्च ९५–१६, २०१४

बुधवार
आर. डी. नेशनल कॉलेज
लिंकिंग रोड,
बांद्रा (पश्चिम), मुंबई–४०००५०, भारत
समयः शाम ५ बजे

मुख्यकार्यालय
एस–४, ब्ल्यु नाइल अर्पाटमेन्टस
सी. एच. एस.लिमीटेड
प्लोट नंबर ३९, वरोडा रोड
बांद्रा (पश्चिम), मुंबई–४०००५०,
भारत

भारत
पी.ओ. बोक्स १६६५५
मुबई – ४०००५०, भारत

Live in the Spirit
BRO. MANUEL MINISTRIES

Printed at Jyoti Printers